Role of Civil Administration in Relief and Rehabilitation work of Earthquake

@†*29. SHRI RAJIV RANJAN SINGH 'LALAN':††
SHRI RAM JETHMALANI:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that civil administration needs to be more active, keeping in view its role in relief and rescue of the people in devastation caused due to recent earthquake;

(b) if not, whether it is also a fact that people of foreign missions, who have come for relief work, have made comments in this regard; and

(c) if so, Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI NITISH KUMAR): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) In the event of earthquake in Gujarat, Government of India in coordination with the State Governments and in association with the Armed Forces launched a massive emergency relief operation. The State Government mobilized number of senior IAS Officers and others personnel from Civil Administration for relief and rescue works. There is no denying the fact that mechinery should be efficient and active in responding to the crisis situation and there is always room for improvement in the

---

@Starred Question Nos. 23, 28 and 29 were taken together.
†Original notice of the Question was received in Hindi.
††The Question was actually asked on the floor of the House by Shri Rajiv Ranjan Singh 'Lalan'

administrative response of the relief machinery based on lessons learnt from the previous experiences.

(b) and (c) The foreign Missions have appreciated the administrative response for timely clearances of relief offered as expression of solidarity. There has been overwhelming response from the International Community for relief operations in Gujarat. Government of India has not received any negative comments from the foreign Missions or foreign relief teams in this regard.

भूकम्प संबंधी राहत एवं पुनर्वास कार्य में नागरिक प्रशासन की भूमिका

@*29. श्री राजीव रंजन सिंह 'ल लन':†
श्री राम जेठमलानी:

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि हाल ही में आए भूकम्प के कारण हुई तबाही में लोगों को राहत एवं बचाव संबंधी कार्य में नागरिक प्रशासन की भूमिका को देखते हुए उसे और ज्यादा चुस्त बनाने की जरूरत है;

(ख) यदि नहीं, तो क्या यह भी सच है कि राहत कार्य के लिए आए विदेशी मिशनों के लोगों ने इस संबंध में टिप्पणियां की हैं; और

(ग) यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

कृषि मंत्री (श्री नीतीश कुमार): (क) से (ग) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) गुजरात में भूकम्प की स्थिति में भारत सरकार ने राज्य सरकारों से समन्वय करते हुये और सशस्त्र सेनाओं के साथ मिलकर एक व्यापक आकस्मिक राहत अभियान शुरू किया। राज्य सरकार ने राहत और बचाव कार्यों के लिये सिविल प्रशासन के बहुत से वरिष्ठ आई०ए०एस० अधिकारियों और अन्य कार्मिकों को तैनात किया।

@ तारांकित प्रश्न सं० 23, 28 और 29 एक साथ लिए गए।
†सभा में यह प्रश्न श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' द्वारा पूछा गया।

इस तथ्य से कोई भी इंकार नहीं कर सकता कि संकटकालीन स्थिति का सामना करने के लिए तंत्र प्रभावी और सक्रिय होना चाहिए तथा विगत अनुभवों के सबक के आधार पर राहत व्यवस्था की प्रशासनिक प्रणाली में सुधार की हमेशा गुंजाइश है।

(ख) और (ग) विदेशी मिशनों ने एकजुटता की अभिव्यक्ति के रूप में दी गई राहत के समय पर निपटान के लिये प्रशासनिक कार्यवाही की सराहना की है। गुजरात में राहत कार्यों के लिये अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय से अभिभूत कर देने वाली प्रतिक्रिया मिली है। भारत सरकार को विदेशी मिशनों या विदेशी राहत दलों से इस संबंध में कोई नकारात्मक टिप्पणी नहीं मिली है।

डा॰ कुमकुम राय: सभापति जी, जैसा कि प्रेस मीडिया और इलेक्ट्रोनिक मीडिया के द्वारा और वहां से लौटे हुए राहत कर्मियों के द्वारा यह पता चला है कि प्रशासनिक तंत्र से अधिक स्वयं सेवी संस्थाओं और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए राहत और बचाव कार्य किए हैं। तो इस स्थिति को देखते हुए राहत एवं बचाव तथा पुनर्वास संबंधी कार्यों में नागरिक प्रशासन को और अधिक चुस्त-दुरुस्त करने और राहत और पुनर्वास में भूकम्प पीड़ितों में भेदभाव की जो शिकायतें मिली हैं उनको भी दूर करने के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए हैं?

श्री नरेन्द्र मोहन: कोई भेदभाव की बात नहीं है कहीं पर भी। ...**(व्यवधान)**

डा॰ कुमकुम राय: तो ऐसी शिकायतें क्यों मिल रही हैं? आज भी अखबार में है सब। ...**(व्यवधान)**

MR. CHAIRMAN: Please sit down ...(*Interruptions*). Sit down. Sit down. Sit down. ...(*Interruptions*)... Please sit down ...(*Interruptions*)... Please sit down ...(*Interruptions*). Please sit down. Let the Minister reply first. ...(*Interruptions*)... Please sit down ...(*Interruptions*). The Minister must reply. Please sit down ...(*Interruptions*). Please sit down ...(*Interruptions*). Please sit down ...(*Interruptions*). Please sit down ...(*Interruptions*). The Minister should reply. ...(*Interruptions*)... The Minister should reply. ...(*Interruptions*)... The Minister should reply ...(*Interruptions*)...

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे: यह लोग क्या कर रहे हैं मैं बताऊंगा आपको ...**(व्यवधान)**

श्री नरेन्द्र मोहन: कहीं कोई भेदभाव नहीं हुआ। ...**(व्यवधान)**

श्री सभापति: आप बैठ जाइए, आप बैठ जाइए। मिनिस्टर को जवाब देने दीजिए।

श्री नीतीश कुमार: सभापति महोदय, गुजरात का जो विनाशकारी भूकम्प आया यह

आजादी के बाद की सबसे बड़ी प्राकृतिक आपदा थी और इसमें हर किसी ने अपने स्तर से जितना बन पड़ा है उतना सहयोग किया है। राज्य सरकार ने भी पूरा प्रयत्न किया है, केन्द्र सरकार ने भी पूरी सहायता दी है।

श्री बालकवि बैरागी: भेदभाव किया है ... **(व्यवधान)**

MR. CHAIRMAN: Let him complete. ...(*Interruptions*)... Let him complete, please. ...(*Interruptions*)... Let him complete the answer. ...(*Interruptions*)...

श्री नरेन्द्र मोहन: जवाब तो देने दीजिए उनको ...**(व्यवधान)**

श्री मोहम्मद आज़म खान: मंत्री जी का जवाब आया नहीं भेदभाव की बात पर आप पहले बोलने लगे। ...**(व्यवधान)**

श्री नीतीश कुमार: सभापति महोदय, हम प्रश्न का उत्तर दे देना चाहते हैं। ...**(व्यवधान)** इसके बाद कोई आगे बात हो तो बेहतर है। ...**(व्यवधान)**

MR. CHAIRMAN: The Minister should not be interrupted. ...(*Interruptions*)... आप बैठिए, आप बैठिए। ...**(व्यवधान)**

श्री अनन्तराय देवंकर दवे: भेदभाव की बात मत करिए। ...**(व्यवधान)**

MR. CHAIRMAN: The Minister is quite capable of replying ...(*Interruptions*)... You need not reply. ...(*Interruptions*)...

श्री रामदास अग्रवाल: वह कोई कहा ही नहीं है आप वहां जाकर देखिए। ...**(व्यवधान)**

MR. CHAIRMAN: Please sit down. Let the Minister reply first ...(*Interruptions*)...

श्री मोहम्मद आज़म खान: सभापति महोदय, will you please hear me?

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record. ...(*Interruptions*)... Nothing will go on record. ...(*Interruptions*)...

श्री नीतीश कुमार: सभापति महोदय, ...**(व्यवधान)** ...**(व्यवधान)**

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.